यूपीईएस यूनिवर्सिटी में आयोजित सम्मेलन में शिक्षाविद और पर्यावरणविद के साथ विवि के कुलपति डा. राम शर्मा ● साभार विवि

# पर्यावरण संरक्षण को जल व जंगल बचाना जरूरी : डा. जोशी

**जागरण संवाददाता, देहरादून :** हिमालयी पर्यावरण अध्ययन एवं संरक्षण संगठन (हेस्को) के संस्थापक अध्यक्ष व प्रसिद्ध पर्यावरणविद पद मभूषण डा. अनिल प्रकाश जोशी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को यदि कम करना है तो हमें सबसे पहले जल एवं जंगलों का संरक्षण करना होगा।

जलवायु परिवर्तन अब किसी देश व राज्य का विषय नहीं रहा, इसके दुष्प्रभाव वैश्विक रूप में सामने आ रहे हैं। असमय बाढ़, वर्षा ऋतु में सूखा, शहर और कस्बों में बाढ़ का पानी भर रहा है। फसलों की बढ़वार के समय वर्षा नहीं हो रही है। इस पर भारत को ही नहीं पूरे विश्व को चिंतन करने की जरूरत है।

यह बात उन्होंने यूपीईएस यूनिवर्सिटी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। एस्पायर रिट्रीट कन्वोकेशन (एआरसी-2024) के पांचवें संस्करण में जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संरक्षण, भारत में जलवायु परिवर्तन पहलुओं पर अधिक निवेश की जरूरत विषयों पर देश-विदेश के पर्यावरणविदों ने अपने विचार रखे। गूंज संस्था के संस्थापक एवं रेमन मैग्सेसे पुरस्कार विजेता अंशु गुप्ता ने गैर लाभकारी योजनाओं को किस प्रकार बढ़ावा देना है ताकि पर्यावरण संरक्षण को बल मिले इस विषय पर व्याख्यान दिया। टाटा मोटर्स के पूर्व सीईओ रविकांत ने भी आर्थिक प्रगति के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और संबर्द्धन का भी विशेष ध्यान रखने को लेकर विचार रखे। कार्यक्रम के अंत में यूपीईएस यूनिवर्सिटी के कुलपति डा. राम शर्मा ने एस्पायर सर्कल का गवर्नर पद ग्रहण किया। उन्होंने कहा कि एस्पायर सर्कल के सहयोग से विवि में एक प्रभावशाली केंद्र बनने की तैयारी की जा रही है। जिससे सामाजिक नेतृत्व और पर्यावरण संरक्षण की पहल को आगे बढ़ाने के लिए यूपीईएस की प्रतिबद्धता और मजबूती से आगे बढ़ेगी।